www.tamsasanket.com

वर्षः 06 || अंक 19 || लखनऊ

रविवार

19 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:39
सूर्यास्तः 06:32
अधिकतमः 42°00
न्यूनतमः 26°00

» पेज 03

विशेष समाचार | दोहरा तेल संकट और कमजोर... » पेज 02 | यूपी में सीजन का सबसे गर्म दिन... » पेज 04 | विराट कोहली के लाइक पर जर्मन मॉडल ने तोड़ी...

"तुर्किये के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने इजराइल पर सुरक्षा के नाम पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया है। अंटाल्या डिप्लोमेसी फोरम में उन्होंने कहा कि इजराइल अपनी सुरक्षा नहीं, बल्कि ज्यादा जमीन हासिल करना चाहता है। उनके मुताबिक, नेतन्याहू सरकार सुरक्षा को केवल बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। इधर, इजराइल और लेबनान के बीच सीजफायर होने के बावजूद इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने साफ किया है कि उनकी सेना दक्षिणी लेबनान में कब्जे वाले सभी स्थानों पर बनी रहेगी।"

होर्मुज से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर फायरिंग

ईरानी गनबोट्स ने चेतावनी भी नहीं दी, जहाज स्ट्रेट पार किए बिना लौटे

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो भारतीय व्यापारी जहाजों पर शनिवार दोपहर गोलीबारी हुई। इसमें एक तेल जहाज भी था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड की दो गनबोट्स टैंकर्स के पास आईं और बिना रेडियो चेतावनी फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दोनों भारतीय जहाज होर्मुज पार किए बिना लौट गए। जहाज और उसके क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। एक भारतीय जहाज लगभग 20 लाख बैरल इराकी तेल लेकर जा रहा था। घटना के बाद भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने शनिवार को भारत में तैनात ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथअली को तलब किया। भारत ने फायरिंग पर विरोध दर्ज किया है। ईरान ने आज होर्मुज को बंद करने का ऐलान किया था। ईरान का आरोप था कि अमेरिका सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है इसलिए 24 घंटे के भीतर उसने फैसला बदल लिया। दोबारा बातचीतः अमेरिका और ईरान की टीमें सोमवार को फिर से पाकिस्तान में बातचीत कर सकती हैं।

दोनों पक्षों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। होर्मुज स्ट्रेट बंदः ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया। आरोप लगाया कि अमेरिका सीजफायर समझौते का ठीक से पालन नहीं कर रहा।

» (शेष पेज 04 पर)

भारतीय तेल टैंकर पर ईरानी नौसेना की फायरिंग

ओमान के पास होर्मुज स्ट्रेट के करीब एक भारतीय तेल टैंकर पर ईरानी नौसेना द्वारा फायरिंग की घटना सामने आई है। 'जग अर्णव' नाम का यह जहाज करीब 20 लाख बैरल इराकी तेल लेकर जा रहा था। इस मामले में दो भारतीय जहाज—'जग अर्णव' और 'सन्मार हेराल्ड'—शामिल थे। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'जग अर्णव' पर फायरिंग की गई, जबकि दूसरा जहाज सुरक्षित रहा। इससे पहले खबर आई थी कि दो भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से वापस लौटना पड़ा था। इसी बीच यह घटना हुई। भारतीय नौसेना मामले की जानकारी जुटा रही है। हालांकि, फिलहाल होर्मुज स्ट्रेट में कोई भारतीय युद्धपोत तैनात नहीं है, लेकिन ओमान की खाड़ी में भारतीय युद्धपोत मौजूद हैं। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। भारत इस मार्ग पर निर्भर प्रमुख देशों में शामिल है, ऐसे में यहां बढ़ता तनाव उसकी ऊर्जा आपूर्ति पर असर डाल सकता है।

होर्मुज में दूसरा हमला, कंटेनर जहाज को नुकसान

होर्मुज स्ट्रेट में कुछ ही घंटों के अंदर दूसरा हमला हुआ है। इससे पहले ईरानी गनबोट ने एक टैंकर पर फायरिंग की थी, अब UK मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) ने नए हमले की जानकारी दी है। UKMTO के मुताबिक, ओमान के तट से करीब 46 किमी दूर एक कंटेनर जहाज पर किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे उसके कुछ कंटेनरों को नुकसान पहुंचा।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स...

- *दोबारा बातचीतः अमेरिका और ईरान की टीमें सोमवार को फिर से पाकिस्तान में बातचीत कर सकती हैं। दोनों पक्षों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।*
- *होर्मुज स्ट्रेट बंदः ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया। आरोप लगाया कि अमेरिका सीजफायर समझौते का ठीक से पालन नहीं कर रहा।*
- *अमेरिका ने रिजर्व से 2.6 करोड़ बैरल तेल निकालाः अमेरिका ने अपने इमरजेंसी ऑयल स्टोरेज से करीब 2.6 करोड़ बैरल तेल निकालकर 9 कंपनियों को दिया है।*
- *अमेरिकी नाकेबंदी जारीः ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ समझौते में कोई अड़चन नहीं बची है, हालांकि डील पूरी होने तक नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी।*

राहुल पर एफआईआर का अपना आदेश हाईकोर्ट जज ने बदला

बिना नोटिस केस दर्ज करना सही नहीं माना, याचिकाकर्ता बोला- सीजेआई से शिकायत करेंगे

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया। कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार (17 अप्रैल) को सुनवाई हुई थी। इसमें याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी। इसके बाद FIR दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया गया था। हालांकि, आदेश टाइप होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को परखा। उन्होंने पुराने केसों की स्टडी में पाया कि ऐसे मामलों में नोटिस भेजना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है। यह याचिका कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने दायर की थी।

» (शेष पेज 04 पर)

एआई से डरने की जरूरत नहीं, संतुलन जरूरी : सूर्यकांत

टेक्नोलॉजी सिर्फ मददगार हो सकती है, जज की जगह नहीं ले सकती

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका में AI का इस्तेमाल जरूरी है, लेकिन इससे डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी सिर्फ मददगार हो सकती है, जज की जगह नहीं ले सकती। यह बात उन्होंने शनिवार को बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि AI का इस्तेमाल करते समय संतुलन जरूरी है। इससे काम तेज और आसान हो सकता है, लेकिन फैसला हमेशा इंसानी सोच, अनुभव और संवैधानिक समझ से ही होना चाहिए। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों से कहा कि वे AI से प्रभावित न हों और अपनी स्वतंत्र सोच बनाए रखें। यह बयान उन्होंने 'रीइमैजिनिंग द ज्यूडिशियरी इन द एरा ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय पर कर्नाटक स्टेट ज्यूडिशियल ऑफिसर्स एसोसिएशन के सम्मेलन में दिया। इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और सुप्रीम कोर्ट के अन्य जज भी मौजूद थे। CJI ने कहा कि जैसे जज जटिल मामलों में ज्यादा समय, सोच और धैर्य लगाते हैं, वैसे ही AI टूल्स का इस्तेमाल भी समझदारी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सही तरीके से उपयोग करने पर ये टूल्स मदद करेंगे, लेकिन जज का स्वतंत्र निर्णय सबसे जरूरी रहेगा।

» (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज़

राहुल के घर तक महिला सांसदों का मार्च, पुतला जलाया

नई दिल्ली। लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित न होने को लेकर एनडीए नेता देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली की CM रेखा गुप्ता ने महिला सांसदों के साथ राहुल गांधी के घर की ओर मार्च किया। कार्यकर्ताओं ने राहुल का पुतला जलाया। पुलिस ने भीड़ हटाने के लिए वाटर कैनन चलाई। केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत को हिरासत में लिया गया।

तमिलनाडु में ट्रैवलर सड़क से उतरी, 9 की मौत

वलपरई। तमिलनाडु के वलपरई में शुक्रवार को सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा तब हुआ, जब टेम्पो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर हेयरपिन मोड़ से फिसलकर खाई में गिर गया। पुलिस के मुताबिक, गाड़ी केरलम के पेरिंथल-मन्ना से आए 13 पर्यटकों को लेकर वलपरई से लौट रहा था।

13वें हेयरपिन मोड़ पर संतुलन बिगड़ा और वाहन फिसलकर 9वें हेयरपिन मोड़ तक गिर गया हादसे में 1 पुरुष और 8 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को रेस्क्यू कर एंबुलेंस से पोलाची के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कुल्लू में गाड़ी पर गिरीं बड़ी-बड़ी चट्टानें

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के मणिकर्ण में आज सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इसका मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं, जिससे गाड़ी चकनाचूर हो गई। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। लैंडस्लाइड की यह घटना बरशैणी घट्टीगढ़ पॉइंट की है। बताया जा रहा है कि पहाड़ी से पहले थोड़ा मलबा गिरा। इसके बाद ड्राइवर गाड़ी से बाहर भागा। देखते ही देखते बड़ी-बड़ी चट्टानें भी गाड़ी पर गिर गईं।

केंद्रीय कर्मियों/पेंशनरों को नहीं मिलेगा 18 महीने का डीए/डीआर

सरकार ने तब बचा लिए थे 34 हजार करोड़ रुपये

तमसा संकेत, एजेंसी

केंद्र सरकार ने शनिवार को अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के डीए/डीआर में दो फीसदी की वृद्धि कर दी है। अब डीए/डीआर की दर 58 से 60 पर पहुंच गई है। इसके साथ ही अब यह भी तय हो गया है कि केंद्रीय कर्मचारियों को 18 माह के डीए/डीआर का बकाया '34 हजार करोड़' रुपये नहीं मिलेंगे। सरकार ने कोरोनाकाल में इस राशि को रोक लिया था। कैबिनेट की मीटिंग के बाद जब केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने डीए/डीआर की घोषणा की तो उनके एजेंडे में 18 माह के डीए/डीआर के बकाया का कोई जिक्र नहीं था। बता दें कि विभिन्न कर्मचारी संगठन लंबे समय से इस मांग को केंद्र सरकार के समक्ष

उठा रहे थे। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में पूछे गए सवालों के जवाब में कहा था कि वर्ष 2020 में वैश्विक महामारी के विपरीत वित्तीय प्रभाव तथा सरकार द्वारा किए गए कल्याणकारी उपायों के वित्तपोषण का वित्त वर्ष 2020-21 के बाद राजकोषीय प्रभाव पड़ा था।

» (शेष पेज 04 पर)

अब तो अर्थव्यवस्था पटरी पर है

कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के अध्यक्ष एसबी यादव का कहना है, डीए/डीआर की बकाया राशि के भुगतान के लिए कई बार सरकार को पत्र लिखा गया है। कोरोनाकाल के दौरान आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी तो डीए/डीआर में कटौती कर दी गई।

अब अर्थव्यवस्था पटरी पर है तो सरकार को 18 माह के डीए/डीआर का एरियर देना चाहिए। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल भी कह चुके हैं।

ममता दीदी सिंहासन खाली करो : योगी

बीजेपी आएगी तो बंगाल में लव जिहाद बंद होगा, 'बुलडोजर बाबा जिंदाबाद' के नारे लगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस समय पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मैदान में उतर कर गरज रहे हैं। इस दौरान उन्होंने गोमाता और हिंदुओं का लेकर बड़ा नारा दिया है। सीएम योगी ने शनिवार को चुनावी मैदान में उतर कर बंगाल के वोटरों से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों को जीत दिलाने की अपील की। सीएम योगी इस दौरान 'गोमाता को कटने नहीं देंगे, हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे' वाला नारा देते दिखे। सीएम योगी ने यूपी में बुलडोजर एक्शन का जिक्र भी चुनावी प्रचार अभियान के दौरान किया। सीएम योगी हिंदुओं के न बंटने की बात पहले भी नारों में कर चुके हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले शुरुआत के दौरान सीएम योगी ने 'बंटोगे तो कटोगे' वाला नारा दिया था। अब बंगाल चुनाव में

वे एक अलग नारा देते दिख रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के चुनावी मैदान में उतर कर टीएमसी की ममता बनर्जी सरकार को निशाने पर लिया। सीएम योगी ने बंगाल में जोरदार चुनावी सभाओं में कहा कि बंगाल के पास अंतिम मौका है। बंगाल के लोगों को अपना बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होना होगा। इस दौरान सीएम योगी ने नारा दिया, 'गौ-माता को काटने नहीं देंगे, हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे'। सीएम योगी ने कहा कि हमें हर मां का सपना साकार करना है। बंगाल की धरती को खुशियों से भरना है।

> "सीएम योगी ने कहा कि बंगाल की धरती मां काली, मां दुर्गा और वंदे मातरम की धरती रहेगी। मैं बीजेपी की डबल इंजन सरकार लाने की अपील करने आया हूं। उन्होंने कहा कि ये टीएमसी के गुंडे और उनके सिपाहसालार जो धमकी दे रहे हैं, 4 मई के बाद ये लोग आपके सामने नाक रगड़ते, घुटने टेक करते भीख मांगते दिखेंगे। बंगाल को भयमुक्त भाजपा करेगी।

माफियाओं पर बुलडोजर एक्शन

सीएम योगी ने कार्यक्रमों में कहा कि बंगाल में टीएमसी के गुंडे मोदी जी के भेजे गए पैसे को हजम कर जाते हैं। लैंड माफिया, सैंड माफिया आपके हक में डकैती डाल रहे हैं। माफिया का उपचार भी बीजेपी के पास है। उन्होंने यूपी मॉडल का जिक्र करते हुए कि कि यूपी में बुलडोजर केवल सड़क नहीं बनाता है, यह माफिया, गुंडे और बवालियों की हड्डी-पसली भी एक करता है। सड़क निर्माण के साथ-साथ इसका उपयोग इस कार्य में भी हम ला रहे हैं।

» (शेष पेज 04 पर)

डीएमके के काले कारनामे सबके सामने आए, ममता बोलीं- बीजेपी का पतन शुरू

विपक्ष ने महिला आरक्षण पर नफरत की राजनीति की : मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पीएम नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के कोयम्बटूर में कहा- मैंने पर्सनली सभी पॉलिटिकल पार्टियों से महिला आरक्षण बिल का सपोर्ट करने की अपील की थी। मैंने उनसे कहा था कि वे क्रेडिट ले सकते हैं, मुझे कोई एतराज नहीं है। मोदी ने कहा- DMK और कांग्रेस ने महिला आरक्षण जैसी अच्छी पहल को नफरत भरी और छोटी राजनीति की वजह से पटरी से उतार दिया। उन्होंने DMK पर तंज कसते हुए कहा कि आपके काले कारनामे जनता जान चुकी है। काले कपड़े पहनकर गलत इरादों को नहीं छिपाया जा सकता। असम CM हिमंत

बिस्वा सरमा ने कलिम्पोंग की रैली में आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने वोटों के लिए बंगाल की जमीन बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दी है। जब से ममता CM बनी हैं, उन्होंने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है।

» (शेष पेज 04 पर)

चुनाव से जुड़े 5 अपडेट्स...

1. TMC सांसद अभिषेक बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में रोड शो किया।
2. CM ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दुर्गापुर में रोड शो किया।
3. कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण (29 अप्रैल) के चुनाव के लिए प्रचारकों की लिस्ट जारी की।
4. तमिलनाडु के रामनाथपुरम में चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने डाक मतपत्र डाले।
5. पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शुक्रवार को आयकर विभाग ने TMC विधायक देबाशीष कुमार के ठिकानों पर छापेमारी की।

पीएम बोले- डीएमके की पॉलिसी है परिवार द्वारा, परिवार का और परिवार के लिए

मोदी ने कहा- पिछले पांच सालों में तमिलनाडु में दो चीजें रिकॉर्ड लेवल तक बढ़ी हैं। पहली है एक परिवार की दौलत और दूसरी है तमिलनाडु का कर्ज। DMK का टॉप परिवार और अमीर होता जा रहा है, जबकि तमिलनाडु के हर आदमी पर कर्ज और बढ़ता जा रहा है। मोदी बोले- DMK की पॉलिसी है 'परिवार द्वारा, परिवार का और परिवार के लिए।' CM, डिप्टी CM, दिल्ली के जाने-माने MP, फिल्म, मीडिया हाउस, और भी बहुत कुछ एक ही परिवार के कंट्रोल में हैं। यहां तक कि सीनियर नेताओं को भी परिवार के सबसे जूनियर सदस्य के सामने बेइज्जत किया जाता है।

> "मोदी ने कहा- मैं तमिलनाडु को भारत के विकास के एक जरूरी इंजन के तौर पर देखता हूं। पिछले 11 सालों में केंद्र ने तमिलनाडु को 14 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दिए हैं। यह टैक्स, हाईवे, एयरपोर्ट, रेलवे और वेलफेयर स्कीम के तौर पर आया है। यह उससे कहीं ज्यादा है जो तमिलनाडु को तब मिला जब दिल्ली में कांग्रेस और डीएमके में सत्ता में थी।"

महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से 4 संदिग्ध गिरफ्तार

पुलिस ने बताया- खिलौने में बम लगाकर हमले की तैयारी में थे

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

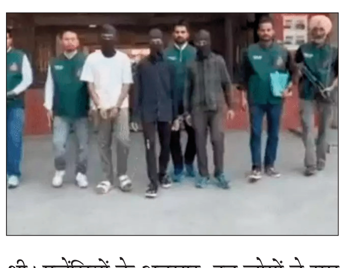

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इनके पास से IED और उससे जुड़ा सामान बरामद हुआ है। आरोपियों में दो महाराष्ट्र और एक-एक ओडिशा और बिहार के हैं। इनकी पहचान मोसाइब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दो आरोपी एक रिमोट कंट्रोल खिलौना कार में IED फिट करने की तैयारी में थे। जांच में यह भी सामने आया कि शेख इमरान दिसंबर 2025 में दिल्ली गया था। उसने रेड फोर्ट और इंडिया गेट जैसे जगहों की रेकी की थी। एजेंसियों के अनुसार, इन लोगों ने राम मंदिर, संसद भवन और सैन्य ठिकानों जैसे बड़े टारगेट पर हमले की भी चर्चा की थी। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी एक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और गजवा-ए-हिंद जैसे नैरेटिव को बढ़ावा दे रहे थे। आरोपी एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया ग्रुप्स पर एक्टिव थे। इन ग्रुप्स में जिहाद, हथियार और कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा कंटेंट शेयर किया जाता था। इन्हीं प्लेटफॉर्म्स के जरिए नए लोगों को जोड़ने और प्रभावित करने की कोशिश की जा रही थी।

सम्पादकीय

महिला हित की अनदेखी, फिर से ठंडे बस्ते में चला गया आरक्षण

अंततः जिसका अंदेशा था, वही हुआ। महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो तिहाई बहुमत के अभाव में लोकसभा से पारित नहीं हो सका। इसी के साथ एक तरह से महिला आरक्षण फिर से ठंडे बस्ते में चला गया। कहना कठिन है कि अब वह कब लागू हो सकेगा। यदि पक्ष-विपक्ष के बीच निकट भविष्य में कोई सहमति नहीं बनती तो आसार यही हैं कि महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव के पहले क्रियान्वित नहीं हो सकता। महिला आरक्षण में और अधिक देरी दुर्भाग्य की ही बात होगी। ध्यान रहे महिला आरक्षण के सपने को साकार करने में पहले ही बहुत देर हो चुकी है। महिला आरक्षण का विचार करीब तीन दशक पहले राजनीतिक विमर्श का विषय बना था। इसके बाद सभी दल महिला आरक्षण के पक्ष में बातें तो करते रहे, लेकिन वे उसके लिए मन से तैयार नहीं हुए। इसी कारण महिला आरक्षण संबंधी विधेयक कई बार संसद में पेश होने के बावजूद आगे नहीं बढ़ सका। अंततः 2023 में वह सभी दलों की सहमति से परित तो हुआ, पर इस प्रविधान के साथ कि उसे 2029 के आम चुनाव में लागू किया जाएगा। इसका कारण 2021 में होने वाली जनगणना में विलंब होना रहा। चूंकि नई जनगणना अब जाकर शुरू हुई है और उसके नतीजे आने में समय लगेगा, इसलिए मोदी सरकार ने अगले आम चुनावों से ही महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने और विपक्ष की आपत्तियों को दूर करने के लिए यह फार्मूला रखा कि सभी राज्यों की लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि करके महिला आरक्षण को लागू किया जाए। पता नहीं क्यों विपक्ष को सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि का फार्मूला रास नहीं आया, जबकि इससे किसी भी राज्य और विशेष रूप से दक्षिण के राज्यों के राजनीतिक हितों की कोई क्षति नहीं होने जा रही थी। अच्छा होता कि विपक्ष नई जनगणना और उस पर आधारित परिसीमन के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने की अपनी जिद का परित्याग करता, क्योंकि यदि जनसंख्या के आधार पर महिला आरक्षण लागू किया जाता है तो कम आबादी वाले दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के राज्य तो राजनीतिक रूप से नुकसान में ही रहेंगे। जहां तक विपक्ष की यह मांग है कि महिला आरक्षण में विभिन्न वर्गों के लिए अलग से आरक्षण लागू किया जाए तो इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि 2023 में ऐसी कोई मांग नहीं की गई थी। महिला आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक पारित न होने से विपक्ष अपनी जीत की घोषणा अवश्य करेगा, लेकिन ऐसा करके वह देश की महिलाओं को मायूस ही करेगा।

दोहरा तेल संकट और कमजोर भारतीय रुपया

> आरबीआई ने रेपो दर को 5.25 प्रति सैकड़ा पर ही बनाए रखा है और अनुमान लगाया है कि 2026-27 में मुद्रास्फीति औसतन 4.6 प्रतिशत रहेगी। ये बहुत ही सोच-समझकर लगाए गए अनुमान हैं और अगर मानसून उम्मीद के मुताबिक नहीं रहता तो इन अनुमानों का बचाव करना मुश्किल हो जाएगा- और इनमें से किसी भी बात को असंभव मानकर नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्च 2026 के द्विमासिक पारिवारिक मुद्रास्फीति अनुमान सर्वेक्षण के अनुसार अनुमानित मुद्रास्फीति 7.2 प्रतिशत है। यह फरवरी के आधिकारिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित 3.2 प्रतिशत के आंकड़े से दोगुने से भी अधिक है। सीपीआई को हाल ही में वास्तविक मुद्रास्फीति के अधिक सटीक आकलन करने के लिए संशोधित किया गया था। आरबीआई सर्वेक्षण से यह भी पता चलता है कि अगले तीन महीनों में कीमतों में 8.5 प्रतिशत और पूरे वर्ष में 8.8 फीसदी वृद्धि का अनुमान है। यह कोई सांख्यिकीय विसंगति या लोकप्रिय निराशावाद नहीं है। यह जमीनी हकीकत है तथा राजनीतिक रूप से आधिकारिक आंकड़ों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर शायद ही कभी इतना संवेदनशील रहा हो। इस बीच भारत दोहरे तेल संकट से जूझ रहा है। पहला संकट ईंधन का है। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण भारत में कच्चे तेल की कीमत 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई जिससे परिवहन और बिजली की लागत बढ़ गई है। लगभग सभी विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ रही हैं। आरबीआई खुद मानता है कि अगर संघर्ष फिर से शुरू होता है तो साल के लिए उसका 85 डॉलर प्रति बैरल का आधारभूत अनुमान आसानी से टूट सकता है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच घोषित युद्धविराम अस्थायी स्वरूप का है। शांति वार्ता विफल हो चुकी है। संघर्ष फिर से शुरू होने से तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा और इसके कारण भारत में महंगाई भी तेजी से बढ़ेगी। दूसरा तेल वह है जिसका उपयोग भारतीय नागरिक खाना पकाने में करते हैं। भारत अपने खाद्य तेलों का लगभग 90 प्रतिशत आयात करता है। पाम तेल इंडोनेशिया और मलेशिया से, सोया तेल अर्जेंटीना व ब्राजील से तथा सूरजमुखी तेल रूस एवं यूक्रेन से मंगाया जाता है। पश्चिम एशियाई संकट ने वैश्विक कमोडिटी बाजारों को हिलाकर रख दिया है और कच्चे तेल के साथ-साथ वनस्पति तेलों की कीमतों में भी उछाल आया है। खुदरा खाद्य तेल की कीमतें मात्र एक सप्ताह में 1 से 4 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गईं। कीमतों को लेकर चिंतित रिफाइनरों द्वारा आयात रोके जाने के कारण मार्च में भारत का पाम तेल आयात 19 प्रतिशत गिरकर तीन महीने के निचले स्तर पर आ गया। इससे आने वाले महीनों में घरेलू उपलब्धता और भी कम हो जाएगी। [illegible] घरेलू बजट पर भारी पड़ते हैं। 'ब्रेकप्वाइंट' नामक एक नई पुस्तक में बताया गया है कि स्वास्थ्य सेवा, दवा, शिक्षा, परिवहन और मकान किराए में मुद्रास्फीति का वास्तविक अनुभव कई वर्षों से उच्च रहा है। भारत की हाल ही में संशोधित सीपीआई बास्केट में अभी भी एक संरचनात्मक खामी है। यह उन मौजूदा किरायेदारों द्वारा भुगतान किए जाने वाले किराए को शामिल करता है जिनके पट्टे सालाना 5-10 प्रतिशत की दर से बढ़ते हैं जबकि नए किराएदारों से लिए जाने वाले बाजार किराए को अनदेखा करता है। भारत के शहरों में दलाल और किरायेदार नियमित रूप से किराए में दो अंकों की वृद्धि की रिपोर्ट कर रहे हैं जबकि आधिकारिक आवास मुद्रास्फीति दर कम बनी हुई है। सूचकांक गलत कीमत माप रहा है। आधिकारिक पद्धति सही स्थिति नहीं बता रही है। यह सब वास्तविक मजदूरी में ठहराव की पृष्ठभूमि में हो रहा है, खासकर ग्रामीण भारत में यह हो रहा है। जब हर चीज महंगी हो जाती है और मजदूरी उस अनुपात में नहीं बढ़ती तो परिवार पोषण में कटौती करते हैं, चिकित्सा देखभाल में [illegible] करते हैं और बच्चों को निजी स्कूलों से निकाल लेते हैं। हरियाणा में मानेसर और नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरी वृद्धि के लिए हो रहे हिंसक विरोध प्रदर्शन केवल श्रम विवाद नहीं हैं। ये मुद्रास्फीति का सामाजिक प्रकटीकरण हैं। मानेसर में कारखाने के श्रमिकों ने काम का बहिष्कार किया, पुलिस से झड़प की और सरकार को एक नाटकीय रियायत देने के लिए मजबूर किया। सरकार ने अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी में 35 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की। यह बमुश्किल पर्याप्त है। मुद्रास्फीति की तुलना में मजदूरी में वृद्धि न होने के खिलाफ वर्षों से चली आ रही घुटन का प्रदर्शन था। नोएडा में गारमेंट और होजरी फैक्ट्रियों के मज़दूरों ने पत्थरबाज़ी, आगज़नी और तोड़-फोड़ शुरू कर दी। वे भी न्यूनतम मज़दूरी में हरियाणा की तरह ही बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। भारत में लगभग 40 करोड़ आंतरिक प्रवासी मज़दूर हैं जो खाने और ईंधन की कीमतों के प्रति बहुत ज़्यादा संवेदनशील होते हैं। जब एक वक्त के खाने की कीमत दोगुनी हो जाती है और गैस सिलेंडर मिलना मुश्किल हो जाता है तो उनमें से कई लोग सीधे अपने गांवों को लौट जाते हैं। भारतीय 'लघु और मध्यम उद्यम मंच' (स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेस फोरम-एसएमई) अक्सर यह बात दोहराता है कि 'एक बार मजदूर चले जाएं तो उन्हें वापस लाना बहुत मुश्किल होता है।' भारत की मैन्युफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धा पर पहले से ही वैश्विक सप्लाई चेन में रुकावटों का दबाव है और अब उस पर एक असली खतरा मंडरा रहा है। मैक्रो स्तर पर देखें तो पिछले वित्त वर्ष में डॉलर के मुकाबले रुपया 10 प्रतिशत गिरा है। मार्च में यह गिरावट बहुत तेज़ी से हुई और विनिमय दर 95 के पार चली गई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए जवाब दिया। रिजर्व बैंक ने रुपये-डॉलर की दर पर होने वाली ऑफ-शोर स्ट्रेटेजी में घरेलू बैंकों की भागीदारी पर लगभग पूरी तरह से रोक लगा दी है। इसे 'नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड' (एनडीएफ) मार्केट कहा जाता है। यह तकनीकी रूप से रिजर्व बैंक के नियामक दायरे से बाहर है और सिंगापुर, लंदन या न्यूयॉर्क से संचालित होता है। यह रोजाना 149 अरब डॉलर का एक ऑफ-शोर मार्केट है जो निर्यात हुए रुपये के जोखिम से बचाव (हेजिंग) का अवसर प्रदान करता है। साथ ही यह देश के भीतर (ऑन-शोर) मौजूद लोगों के लिए एक संकेत का भी काम करता है जिससे वे यह अंदाजा लगा पाते हैं कि रुपये की चाल किस दिशा में होगी। हालांकि रिजर्व बैंक की अचानक की गई इस सख्त कार्रवाई से रुपये में उछाल आया है लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं है कि अगर ईरान में युद्ध जारी रहता है तो यह स्थिति कब तक बनी रहेगी। ऐसे में रुपये को सहारा देने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा किए गए हस्तक्षेप के कारण अकेले मार्च महीने में ही भारत को अपने कीमती विदेशी मुद्रा भंडार में से 30.5 अरब डॉलर गंवाने पड़े हैं। आरबीआई ने बैंकों द्वारा रुपये की कमजोरी से मुनाफा कमाने के लिए ऑफशोर-ऑनशोर गैप का इस्तेमाल करने पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। लेकिन ध्यान से देखने वाला कोई भी व्यक्ति समझेगा कि ऑफशोर एनडीएफ बाजार तो सिर्फ एक लक्षण है, बीमारी नहीं। असली बीमारी तो भारत का ढांचागत चालू खाता घाटा है जो तेल आयात के भारी बिलों की वजह से और बढ़ गया है। इसके साथ ही पिछले दो वर्षों में पोर्टफोलियो से 26 अरब डॉलर का आउटफ्लो हुआ है और शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई- फॉरेन डॉयरेक्ट इन्वेस्टमेंट) भी शून्य या नकारात्मक हो गया है। ये अर्थव्यवस्था की ऐसी कमजोरियां हैं जिन्हें डेरिवेटिव-बाजार की कितनी निगरानी करके भी हमेशा के लिए ठीक नहीं किया जा सकता।

■ डॉ.अजीत रानाडे

जन सुराज का...

अशोक कुमार झा

बिहार की सियासत का 'रिटर्न गिफ्ट': विचारधारा, अवसरवाद और एक मास्टर स्ट्रोक की कहानी

बिहार की राजनीति एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी है, जहाँ घटनाएँ सिर्फ सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वे राजनीतिक विचारधाराओं, संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व की विश्वसनीयता तक पर सवाल खड़े कर देती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। जाते-जाते नितीश कुमार ने बिहार को ऐसा 'रिटर्न गिफ्ट' दिया है, जिसने न सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की रणनीति को उलझा दिया है, बल्कि राष्ट्रिय स्वयंसेवक संघ के वैचारिक गलियारों में भी असहजता पैदा कर दी है। यह घटनाक्रम केवल एक राजनीतिक फेरबदल नहीं है, बल्कि यह उस गहरे अंतर्विरोध का प्रतीक है, जो आज की भारतीय राजनीति में विचारधारा और सत्ता की अनिवार्यता के बीच लगातार उभरता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर चुका है और अब 101वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। यह वह संगठन है जिसने दशकों तक वैचारिक प्रतिबद्धता, अनुशासन और राष्ट्रवादी सोच के आधार पर एक विशाल राजनीतिक परिवार खड़ा किया है । उसी परिवार की राजनीतिक शाखा, भारतीय जनता पार्टी, आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित है। ऐसे समय में बिहार में जो परिदृश्य उभरा है, वह एक गहरे प्रश्न को जन्म देता है—क्या विचारधारा अब सत्ता के समीकरणों के सामने गौण होती जा रही है? बिहार में पहली बार ऐसा अवसर बना था जब भाजपा अपने दम पर नेतृत्व स्थापित करने की स्थिति में दिखाई दे रही थी। लेकिन अंतिम क्षणों में जो हुआ, उसने इस पूरे समीकरण को उलट दिया। जिस नेतृत्व को सामने लाया गया, वह उस विचारधारा से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ नहीं है, जिसे भाजपा और संघ वर्षों से पोषित करते आए हैं। अगर इस पूरे घटनाक्रम को एक प्रतीकात्मक रूप में देखा जाए, तो यह किसी ऐसे विवाह समारोह जैसा प्रतीत होता है, जहाँ बारात पूरी तैयारी के साथ पहुँचती है, लेकिन मंडप में बैठने वाला दूल्हा अचानक बदल जाता है। भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए यह स्थिति कुछ ऐसी ही रही।

वर्षों की मेहनत, संगठनात्मक विस्तार और राजनीतिक संघर्ष के बाद जब सत्ता का अवसर आया, तब नेतृत्व का चेहरा अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा। इस संदर्भ में विजय सिन्हा की प्रतिक्रियाएँ और चेहरे के भाव उस आंतरिक असहजता को व्यक्त करते हैं, जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना संभव नहीं है। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव की मुस्कान इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण संकेत बनकर उभरती है। राजनीति में अक्सर जो दिखाई देता है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण वह होता है जो दिखाई नहीं देता। तेजस्वी यादव की यह मुस्कान केवल व्यक्तिगत संतोष का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक मनोविज्ञान को दर्शाती है जिसमें प्रत्यक्ष पराजय के बावजूद अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त किया जाता है। इस पूरे परिदृश्य में लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक विरासत भी परोक्ष रूप से सक्रिय दिखाई देती है। वह शैली, जिसमें परिस्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ा जाता है, आज भी बिहार की राजनीति में प्रभावी है। रणनीति की विफलता या परिस्थितियों की जीत? इस घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह सब उन नेताओं की उपस्थिति में हुआ, जिन्हें भाजपा की रणनीतिक शक्ति का आधार माना जाता है। बी एल संतोष और शिवराज सिंह चौहान जैसे अनुभवी नेताओं की मौजूदगी के बावजूद यह परिणाम सामने आया। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह रणनीतिक चूक थी, या फिर यह उस जटिल राजनीतिक वास्तविकता का परिणाम है, जिसमें सिद्धांत और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाना कठिन होता जा रहा है। नितीश कुमार को बिहार की राजनीति में 'संतुलन के मास्टर' के रूप में देखा जाता है। उन्होंने बार-बार यह साबित किया है कि वह परिस्थितियों को अपने अनुकूल ढालने की क्षमता रखते हैं। उनकी राजनीति का मूल सिद्धांत यह प्रतीत होता है कि सत्ता केवल चुनाव जीतने से नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेने से प्राप्त होती है। इस दृष्टि से देखा जाए तो वर्तमान घटनाक्रम उनके राजनीतिक कौशल का एक और उदाहरण है। भाजपा के लिए यह स्थिति केवल एक अस्थायी राजनीतिक झटका नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक आत्ममंथन का अवसर भी है कि क्या संगठनात्मक अनुशासन को बनाए रखते हुए राजनीतिक विस्तार संभव है? क्या विचारधारा और व्यावहारिक राजनीति के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है? क्या क्षेत्रीय राजनीति के जटिल समीकरणों को समझने के लिए नई रणनीति की आवश्यकता है? ये प्रश्न केवल बिहार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रासंगिक हैं। बिहार की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अनिश्चितता है। यहाँ कोई भी समीकरण स्थायी नहीं होता और कोई भी राजनीतिक निष्कर्ष अंतिम नहीं होता। यही कारण है कि यहाँ की राजनीति हमेशा जीवंत और अप्रत्याशित बनी रहती है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि बिहार में राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें सामाजिक संरचना, ऐतिहासिक संदर्भ और व्यक्तिगत नेतृत्व—सभी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अंततः यह कहना उचित होगा कि नितीश कुमार का यह 'रिटर्न गिफ्ट' केवल एक राजनीतिक चाल नहीं है, बल्कि यह एक संकेत भी है—एक ऐसे समय का संकेत, जहाँ राजनीति में स्थायित्व की जगह लचीलापन अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

साथ ही डेलॉयट...

अशोक भाटिया

महिलाओं को आरक्षण के पहले रक्षण जरुरी, सरकार ध्यान दें

महिलाओं को आरक्षण के पहले रक्षण (सुरक्षा) की आवश्यकता का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (2023) के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण का प्रावधान किया गया है, लेकिन ज़मीनी हकीकत में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। कई राजनीतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि केवल आरक्षण देने से महिलाओं का जीवन नहीं बदलेगा। जब तक समाज में महिलाओं के खिलाफ अपराध (रक्षण) कम नहीं होंगे, तब तक आरक्षण का वास्तविक लाभ हाशिए पर खड़ी महिलाओं तक नहीं पहुंचेगा। गौरतलब है कि नासिक का टीसीएस का मामला अब एक साधारण कॉर्पोरेट विवाद से निकलकर राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन चुका है। यौन उत्पीड़न के आरोप, धर्मांतरण का आरोप, कॉर्पोरेट जिहाद की बहस, मुख्य आरोपी निदा खान का फरार होना, उसकी अग्रिम जमानत की अर्जी, और अब एनआईए की एंट्री। इन सबने इस केस को बेहद पेचीदा बना दिया है। सोशल मीडिया से लेकर सियासी गलियारों तक इस पर बहस तेज है। शुरुआती दिनों में जहां कई तरह की अपुष्ट खबरें सामने आईं वहीं अब खुद टीसीएस के सीईओ के। कृतिवासन ने सामने आकर कई बड़े दावों को खारिज किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि निदा खान न तो एचआर मैनेजर हैं और न ही भर्ती से जुड़ी कोई जिम्मेदारी निभाती थीं। साथ ही डेलॉयट और ट्राइलीगल जैसी बाहरी एजेंसियों को जांच में शामिल कर यह संकेत दिया गया है कि मामला बेहद गंभीर है और हर स्तर पर सच्चाई सामने लाने की कोशिश हो रही है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी NIA ने भी इस मामले में रुचि दिखाई। नासिक पुलिस ने धर्म परिवर्तन और वित्तीय लेन-देन से जुड़े अहम दस्तावेज NIA

को सौंप दिए हैं। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी एक विशेष जांच समिति गठित कर दी है। ऐसे में अब यह केस केवल कंपनी के दायरे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संवेदनशीलता से भी जुड़ गया है। सवाल यह है कि आखिर इस पूरे 'गंदे खेल' के पीछे सच्चाई क्या है और जांच एजेंसियां क्या खुलासा करती हैं। नासिक टीसीएस धर्मांतरण कांड पर और भी खुलासे होते जा रहे है। टीसीएस नासिक कांड की मास्टरमाइंड मानी जा रही निदा खान ने जेल जाने से बचने के लिए नया दांव खेला है। पहले कहा गया कि निदा खान कंपनी की एचआर है। मगर परिवार का दावा है कि वह कंपनी की एचआर हेड नहीं है। वह कंपनी में एक टेलीकॉलर थी। बहरहाल, उस पर आईटी की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) की नासिक यूनिट में जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप है। उसके परिवार वालों का कहना है कि निदा खान प्रेग्नेंट है और मुंबई में हैं।आरोपी निदा खान अभी टीसीएस के नासिक यूनिट में कथित धर्मांतरण मामले में फरार चल रही है। सूत्रों का कहना है कि आरोपी निदा खान ने अग्रिम जमानत के लिए स्थानीय अदालत में अर्जी दाखिल कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, निदा खान अपनी गर्भावस्था को मुख्य आधार बनाकर अग्रिम जमानत की मांग करेगी।

'भूदान दिवस' आज-भूदान आंदोलन के 75 वर्ष : भूमि, न्याय और नैतिकता की पुकार

भूदान आंदोलन हमें सामुदायिक भावना और साझेदारी की संस्कृति को पुनर्जीवित करने की प्रेरणा भी देता है। आज जब समाज तेजी से व्यक्तिवादी होता जा रहा है, तब 'साझा संसाधन' और 'साझी जिम्मेदारी' की अवधारणा और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ग्राम स्तर पर सामूहिक निर्णय, संसाधनों का साझा उपयोग और स्थानीय स्वशासन की मजबूत व्यवस्था आदि सभी पहलू भूदान के मूल विचार से जुड़े हुए हैं। देश के सामाजिक और नैतिक इतिहास में ऐसे कुछ आंदोलन हुए हैं, जिन्होंने बिना हिंसा, बिना सत्ता और बिना संसाधनों के भी समाज की आत्मा को झकझोर दिया है। आचार्य विनोबा भावे का भूदान आंदोलन ऐसा ही एक अद्वितीय प्रयोग था, जिसने न केवल भूमि के पुनर्वितरण का प्रश्न उठाया, बल्कि समाज के नैतिक पुनर्निर्माण की दिशा भी दिखाई। 18 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'भूदान दिवस' उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है, जब 1951 में तेलंगाना के पोचमपल्ली गांव से इस आंदोलन की शुरुआत हुई थी। अब, जब इस आंदोलन के लगभग 75 वर्ष पूर्ण होने को हैं, इसके महत्व और वर्तमान संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता पर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। भूदान आंदोलन की शुरुआत एक साधारण, लेकिन गहरे सामाजिक प्रश्न से हुई थी-क्या समाज अपने ही भूमिहीन लोगों के लिए स्वेच्छा से संसाधन साझा कर सकता है? पोचमपल्ली में जब भूमिहीन परिवारों ने विनोबा भावे से भूमि की मांग की, तब एक

जमींदार द्वारा स्वेच्छा से भूमि-दान की घोषणा ने इस आंदोलन को जन्म दिया। विनोबा भावे ने इसे केवल भूमि-दान तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे 'सर्वोदय' याने सभी के उत्थान के व्यापक दर्शन से जोड़ा। भूदान आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विनोबा भावे ने व्यापक पदयात्राएं कीं, जो इस आंदोलन की आत्मा बन गईं। उन्होंने लगभग 13 वर्षों (1951 से 1964 के बीच) लगातार देशभर में पदयात्रा की और करीब 58,000 से अधिक किलोमीटर पैदल चलकर देश के लगभग 16 से अधिक राज्यों का भ्रमण किया और हजारों गांवों में पहुंचकर सीधे लोगों से संवाद किया। इन पदयात्राओं के माध्यम से उन्होंने न केवल भूमि-दान का आह्वान किया, बल्कि समाज में समानता, सहयोग और अहिंसक परिवर्तन की भावना को भी गहराई से स्थापित किया। आगे चलकर यह आंदोलन 'ग्रामदान' की अवधारणा तक विस्तारित हुआ, जिसमें पूरे गांव की भूमि को सामूहिक स्वामित्व और उपयोग के लिए समर्पित करने का विचार सामने आया।

कुमार सिद्धार्थ

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ घनश्याम बादल

नीति, नीयत, नैरेटिव और राजनीतिक बाजीगरी तथा स्वार्थ का बड़ा संजाल बना कारण

दलगत संख्या को देखते हुए जैसी आशंका थी लोकसभा में महिला आरक्षण बिल, जनगणना प्रस्ताव और परिसीमन बिल के साथ-साथ 131 वां संविधान संशोधन विधेयक भी गिर गया भले ही विधेयक के पक्ष में 296 एवं विपक्ष में 238 मत पड़े लेकिन दो तिहाई बहुमत जिसकी आवश्यकता थी वह सट्टा रोड गठबंधन नहीं जुटा पाया। लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़ा प्रस्ताव गिर जाना केवल एक विधायी असफलता भर नहीं है; यह उस राजनीतिक समय का आईना है जिसमें नीयत, रणनीति, प्रतीक और सत्ता-संतुलन—सब एक साथ उलझे हुए दिखाई देते हैं। इस पूरे घटनाक्रम को किसी एक दल की हार या दूसरे की जीत के चश्मे से देखना आसान है, लेकिन इससे उस गहरी परत तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है जहां लोकतंत्र की वास्तविक गतिशीलता काम करती है। महिला आरक्षण का विचार नया नहीं है। दशकों से यह मांग उठती रही है कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़े। इस दृष्टि से सरकार का विधेयक लाना एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। लेकिन प्रश्न केवल 'क्या' का नहीं, 'कब' और 'कैसे' का भी होता है। जब इस विधेयक को परिसीमन से जोड़ दिया गया—और वह भी भविष्य की अनिश्चित प्रक्रिया से—तो स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा हुआ कि क्या यह तत्काल प्रतिनिधित्व देने का प्रयास है या एक दूरस्थ वादे का राजनीतिक निवेश। सरकार की मंशा को पूरी तरह खारिज करना उतना ही जल्दबाज़ी होगी जितना उसे पूर्णतः निष्कलुष मान लेना। सत्ता पक्ष के लिए यह एक ऐसा मुद्दा था जो नैतिक ऊंचाई भी देता है और राजनीतिक पूंजी भी। महिला मतदाता अब निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं; ऐसे में यह विधेयक एक दीर्घकालिक राजनीतिक संदेश भी था। परंतु जब इसे तत्काल लागू करने के बजाय परिसीमन और जनगणना जैसी प्रक्रियाओं से जोड़ा गया, तो विपक्ष को यह कहने का अवसर

मिल गया कि यह 'वादा अधिक, इरादा कम' की श्रेणी में आता है। विपक्ष की आलोचना में भी केवल सिद्धांत नहीं, राजनीति भी सक्रिय थी। कई दलों ने यह सवाल उठाया कि क्या इस आरक्षण के भीतर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग प्रावधान होना चाहिए था। यह मांग सामाजिक न्याय की राजनीति से जुड़ी है, लेकिन इसके भीतर दलगत गणित भी छिपा है। उत्तर भारत की राजनीति में जातीय समीकरण अभी भी निर्णायक हैं, और कोई भी दल इस संतुलन को नजरअंदाज नहीं कर सकता। इसलिए महिला आरक्षण के समर्थन के साथ-साथ उसकी संरचना पर सवाल उठाना विपक्ष के लिए राजनीतिक रूप से अनिवार्य था। यहां सत्ता और विपक्ष दोनों की राजनीति एक-दूसरे का प्रतिबिंब लगती है। एक ओर सरकार 'नारी शक्ति' के व्यापक नैरेटिव को गढ़ना चाहती है, दूसरी ओर विपक्ष 'समावेशी आरक्षण' की मांग के जरिए अपने सामाजिक आधार को मजबूत करना चाहता है। इस टकराव में विधेयक की मूल भावना कहीं पीछे छूटती नजर आती है। इस पूरे घटनाक्रम में नरेंद्र मोदी द्वारा 'अंतरात्मा की आवाज' पर वोटिंग की बात और राहुल गांधी द्वारा उन्हें 'जादूगर' कहकर संबोधित करना राजनीतिक विमर्श के बदलते स्वरूप को उजागर करता है। अंतरात्मा की अपील भारतीय राजनीति में नई नहीं है, लेकिन जब यह पार्टी व्हिप और कठोर दलगत अनुशासन के दौर में सामने आती है, तो यह अधिक प्रतीकात्मक लगती है। क्या वास्तव में सांसद अपनी अंतरात्मा के अनुसार वोट दे सकते हैं, या यह केवल एक नैतिक आग्रह भर रह जाता है—यह प्रश्न अनुत्तरित रहता है। राहुल गांधी का 'जादूगर' वाला तंज भी केवल व्यंग्य नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संदेह का संकेत है जो विपक्ष के मन में है—कि सरकार मुद्दों को प्रस्तुत करने में कुशल है, लेकिन उनके क्रियान्वयन को टालती रहती है। यह भाषा भले ही तीखी हो, लेकिन यह उस अविश्वास की अभिव्यक्ति है जो आज की राजनीति का स्थायी भाव बन चुका है। अब प्रश्न यह है कि इस विधेयक के गिरने के बाद क्या होगा। सबसे पहले, महिला आरक्षण का मुद्दा फिर से अनिश्चितता के दायरे में चला गया है। यह संभावना बनी रहेगी कि इसे भविष्य में फिर लाया जाए, लेकिन हर बार इसके साथ नई शर्तें और नए विवाद जुड़ सकते हैं। इससे महिला प्रतिनिधित्व का सवाल एक बार फिर राजनीतिक सौदेबाजी का हिस्सा बन सकता है। एनडीए के लिए यह एक नैरेटिव की चुनौती है। वह इसे विपक्ष के 'अवरोध' के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा—कि एक ऐतिहासिक कदम को राजनीतिक कारणों से रोक दिया गया। वहीं विपक्ष इसे सरकार की 'अधूरी नीयत' के रूप में पेश करेगा—कि वह गंभीर होती तो इसे बिना शर्त लागू कर सकती थी। इस तरह दोनों पक्ष अपने-अपने समर्थकों के बीच इस मुद्दे को अलग-अलग अर्थों में स्थापित करेंगे। सत्ता रूढ़ गठबंधन की भाषा में कहें तो यह घटना राजनीतिक 'रेटिंग' को प्रभावित करेगी। एनडीए की छवि एक निर्णायक सरकार की रही है; ऐसे में विधेयक का गिरना उस छवि पर हल्का सा धब्बा डाल सकता है। वहीं विपक्ष, जो अक्सर बिखरा हुआ दिखता है, इस मुद्दे पर एकजुटता का दावा कर सकता है—भले ही वह आंशिक ही क्यों न हो। परिसीमन का प्रश्न भी अब अधिक जटिल हो जाएगा। यह केवल जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्विन्यास का मामला नहीं है, बल्कि इसके साथ क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के सवाल भी जुड़े हैं। दक्षिण और उत्तर भारत के बीच पहले से मौजूद आशंकाएं इस बहस को और संवेदनशील बना सकती हैं। आखिर में, यह पूरा प्रकरण भारतीय लोकतंत्र की उस विडंबना को सामने लाता है जहां बड़े और आवश्यक सुधार भी राजनीतिक अविश्वास की भेंट चढ़ जाते हैं। महिला आरक्षण जैसे मुद्दे पर व्यापक सहमति बननी चाहिए थी, लेकिन वह सहमति शर्तों और संदेहों के जाल में उलझ गई। यह कहना आसान है कि कौन सही है और कौन गलत, लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल है। सत्ता अपनी राजनीतिक पूंजी बढ़ाने की कोशिश करती है।

साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को 5 विकेट से हराया

डरबन टी-20 में 159 का टारगेट 5 बॉल रहते चेज किया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका महिला टीम ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत की है। डरबन में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 158 रन बनाए थे, जिसे साउथ अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ट की 51 रनों की पारी के दम पर आसानी से हासिल कर लिया। यह साउथ अफ्रीका का टी-20 इंटरनेशनल में अब तक का पांचवां सबसे सफल रन चेज है। इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अयाबोंगा खाका ने 4 ओवर के स्पैल में केवल 16 रन देकर 3 विकेट लिए। अयाबोंगा खाका ने 4 ओवर के स्पैल में केवल 16 रन देकर 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत शानदार रही। ओपनिंग पर लौटीं कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने 39 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में ऑन-साइड पर शानदार खेल दिखाते हुए 35 रन बटोरे। वोल्वार्ट ने एनरी डेर्कसेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी की। डेर्कसेन ने 34 गेंदों पर नाबाद 44 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। अंत में क्लो ट्रायोन ने विजयी छक्का लगाकर टीम को सीरीज में 1-0 से बढ़त दिलाई। भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा ने आते ही आक्रामक रुख अपनाया और 17 गेंदों पर 34 रन बनाए । उन्होंने 200 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की। हालांकि, साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने उन्हें शॉर्ट बॉल पर फंसाने की रणनीति अपनाई। खाका की शॉर्ट बॉल पर वे एक बार बचीं, लेकिन अंत में तुमी सेखुखुने की शॉर्ट पिच गेंद पर कैच थमा बैठीं। वहीं स्मृति मंधाना सिर्फ 7 रन बनाकर खाका का शिकार बनीं।

साउथ अफ्रीका टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट और भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर टॉस के दौरान।

आखिरी 5 ओवर में भारत के 4 विकेट गिरे

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए 51 गेंदों पर 71 रनों की साझेदारी की। 15वें ओवर तक भारत का स्कोर 2 विकेट पर 119 रन था और लग रहा था कि टीम 180 के पार जाएगी। हालांकि, आखिरी 5 ओवरों में टीम इंडिया ने सिर्फ 33 रन जोड़े और 4 विकेट गंवा दिए, जिससे टीम 160 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकी।

अयाबोंगा खाका ने 16 रन देकर लिए 3 विकेट लिए

साउथ अफ्रीका की जीत की नींव गेंदबाज अयाबोंगा खाका ने रखी। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पैल में केवल 16 रन देकर 3 विकेट चटकाए। खाका इस साल फुल मेंबर देशों के खिलाड़ियों में टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी हुई हैं। उनके अलावा तुमी सेखुखुने ने भी दो सफलताएं हासिल कीं।

अयाबोंगा खाका ने 4 ओवर के स्पैल में केवल 16 रन देकर 3 विकेट लिए।

शेफाली वर्मा की तेज शुरुआत, शॉर्ट बॉल पर हुईं आउट

भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा ने आते ही आक्रामक रुख अपनाया और 17 गेंदों पर 34 रन बनाए । उन्होंने 200 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की। हालांकि, साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने उन्हें शॉर्ट बॉल पर फंसाने की रणनीति अपनाई। खाका की शॉर्ट बॉल पर वे एक बार बचीं, लेकिन अंत में तुमी सेखुखुने की शॉर्ट पिच गेंद पर कैच थमा बैठीं। वहीं स्मृति मंधाना सिर्फ 7 रन बनाकर खाका का शिकार बनीं।

भारतीय टीम की हार की एक बड़ी वजह खराब फील्डिंग और एक्स्ट्रा रन रहे। भारतीय बॉलर्स ने मैच में 14 वाइड गेंदें फेंकी, जो टी-20 में भारत का दूसरा सबसे खराब रिकॉर्ड है। स्लो ओवर रेट की वजह से आखिरी ओवर में भारत को सर्कल के अंदर एक एक्स्ट्रा फील्डर रखना पड़ा, जिसका फायदा उठाकर क्लो ट्रायोन ने छक्का मारकर मैच जिता दिया।

अमेरिका में लोकेश सत्यनाथन ने लॉन्ग जंप में गोल्ड जीता

नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन डिवीजन-I खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय लॉन्ग जंपर लोकेश सत्यनाथन ने अमेरिका के अर्कांसस में आयोजित NCAA (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन) डिवीजन-I चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। लोकेश ने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर न केवल अपना पिछला इंडोर नेशनल रिकॉर्ड (8.01 मीटर) तोड़ा, बल्कि वे यह खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं। टेक्सास के टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी में हेल्थ साइंस की पढ़ाई कर रहे लोकेश अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद को देतहैं। वे फिल्म 'K.G.F: चैप्टर 2' के उस दृश्य को याद करते हैं जिसमें नायक अपनी मां से कहता है,यही तुम्हारा सपना था और अब मैं इसे जीतकर दिखाऊंगा।' लोकेश के मुताबिक, अपनी मां के त्याग और उनके शब्दों को याद करने पर आज भी उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। लोकेश की यह कामयाबी आसान नहीं थी।

साल 2022 में अमेरिका जाने से पहले बेंगलुरु में उनका एक भयानक एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। चोटों, दर्द और करियर में आए उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने अपने इस शानदार जीत के साथ लोकेश सत्यनाथन अब भारत के ऑल टाइम लॉन्ग जंपर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे अब केवल जेस्विन एल्ड्रिन और मुरली श्रीशंकर जैसे स्थापित नाम ही हैं। लोकेश की यह कामयाबी आसान नहीं थी। साल 2022 में अमेरिका जाने से पहले बेंगलुरु में उनका एक भयानक एक्सीडेंट हुआ था।

फास्ट न्यूज

ऑस्कर देने वाली संस्था ने शाहरुख का वीडियो शेयर किया

मुंबई। ऑस्कर एकेडमी ने शुक्रवार को फिल्म ओम शांति ओम के मशहूर डायलॉग की क्लिप शेयर की, जिस पर रिएक्ट करते हुए एक्टर शाहरुख खान ने कहा कि उन्हें दुनिया का किंग होने जैसा महसूस हो रहा है। दरअसल, एकेडमी ने फिल्म के अवॉर्ड नाइट सीन का मोनोलॉग शेयर करते हुए लिखा, 'किस्मत के बारे में एक बात... यह कभी नहीं चूकती।'

विराट कोहली के सपोर्ट में उतरीं अमीषा पटेल

नई दिल्ली। क्रिकेटर विराट कोहली, इंस्टाग्राम पर जर्मन मॉडल की तस्वीर लाइक कर चर्चा का विषय बन गए हैं। कुछ लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं, तो कुछ उनकी आलोचना कर रहे हैं। इसी बीच एक्ट्रेस अमीषा पटेल, क्रिकेटर के सपोर्ट में उतरी हैं। उनका कहना है कि ये किसी की भी तस्वीर लाइक करना कोई पाप नहीं है। हाल ही में मुंबई में स्पॉट हुईं अमीषा पटेल से विराट कोहली पर सवाल किया गया था। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं समझ नहीं पा रही हूं। लाइक करना कोई पाप है क्या। उनका इंस्टाग्राम, उनकी मर्जी, लाइक करें। लोगों को बस ट्रोल करना ही आता है। उनके पास कोई काम धंधा ही नहीं है। अच्छी बात है किसी के अच्छे काम को लाइक करना। उनकी लाइफ, उनका इंस्टाग्राम, उनकी मर्जी। ट्रोल करना पाप है, किसी को लाइक करना नहीं।'

गूगल ने भारत में 17 लाख एडवरटाइजर अकाउंट सस्पेंड किए

नई दिल्ली। टेक कंपनी गूगल ने 2025 में भारत में नियमों का उल्लंघन करने वाले 48.37 करोड़ विज्ञापनों को हटाया या ब्लॉक किया है। इसी दौरान कंपनी ने अपने AI प्लेटफॉर्म जेमिनी की मदद से 17 लाख एडवरटाइजर अकाउंट्स भी सस्पेंड किए हैं। गुरुवार को जारी गूगल की 2025 एड्स सेफ्टी रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

हेरा फेरी 3 फिलहाल नहीं बन रही है

बोले- कुछ बातें ऐसी हैं, जो नहीं बता सकते

हेरा फेरी फ्रेंचाइजी में अक्षय ने राजू, परेश रावल ने बाबूराव और सुनील शेट्टी ने श्याम का रोल प्ले किया था।

मुंबई, एजेंसी

एक्टर अक्षय कुमार ने हाल ही में बताया कि फिल्म हेरा फेरी 3 फिलहाल नहीं बन रही है। यह बात अक्षय ने शुभांकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कही। इंटरव्यू में अक्षय ने माना कि इस खबर से फैंस को झटका लगा है और उन्हें खुद भी उतना ही झटका लगा था। अक्षय ने बताया कि फिल्म में देरी की वजह सिर्फ कास्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि कई और समस्याएं हैं, जिनकी वजह से प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पा रहा। एक्टर ने यह भी साफ किया कि तीनों कलाकारों के साथ आने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वेलकम टू द जंगल में वो, सुनील शेट्टी और परेश रावल एक साथ काम कर रहे हैं। अक्षय ने आगे कहा कि कुछ बातें ऐसी हैं, जिन्हें वो कैमरे पर नहीं बता सकते। उन्होंने समझौतों और दूसरे कारणों का जिक्र किया, जो इस फिल्म को पीछे धकेल रहे हैं। हालांकि, अक्षय ने उम्मीद जताई कि जब सही समय आएगा, तब हेरा फेरी 3 जरूर बनेगी। उन्होंने हल्के अंदाज में कहा कि उम्मीद है तब तक वे सभी बहुत बूढ़े नहीं हो जाएंगे। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट को लेकर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें परेश रावल का फिल्म से अलग होना भी शामिल था। हालांकि बाद में वो फिल्म से जुड़ गए। पहली फिल्म, हेरा फेरी, जिसे प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया था।

मुझे उनके लिए बुरा लगा, इतना बड़ा मुद्दा कैसे बन गया, समझ नहीं आया

विराट कोहली के लाइक पर जर्मन मॉडल ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई, एजेंसी

जर्मन मॉडल लिजलाज की फोटो को कथित रूप से लाइक करने को लेकर विराट कोहली चर्चा में आ गए। शुक्रवार को लिजलाज ने इस पर रिएक्ट करते हुए बताया कि उन्हें इस बारे में खबरों से पता चला। संवाददाता से बात करते हुए लिजलाज ने कहा, 'मैं सुबह उठी तो देखा कि मैं खबरों में हूं। मुझे नहीं पता था कि विराट ने कब फोटो लाइक की। लोगों ने अलग-अलग प्लेटफॉर्म की खबरें मुझे भेजीं। मुझे बहुत सारे मैसेज मिले और लोग काफी उत्साहित थे।' उन्होंने बताया कि भारत यात्रा के दौरान उन्हें क्रिकेट के बारे में पता चला, जब वह पहली बार भारत आई थीं और यहां कई महीनों तक रहीं।

> बता दें कि लिजलाज की फोटो क्लिक करने वाले फोटोग्राफर अद्वैत वैद्य ने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए दावा किया कि विराट के आधिकारिक अकाउंट से लिजलाज की एक पुरानी फोटो को लाइक किया गया।

लिजलाज के इंस्टाग्राम पर साढ़े 4 लाख से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

लिजलाज का दावा- वायरल होने के बाद बढ़े ऑफर्स

लिजलाज ने दावा किया कि इस घटना के बाद उन्हें काम के कई ऑफर्स मिले हैं, लेकिन वह फिलहाल सोच-समझकर फैसला लेना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वह म्यूजिक और व्लॉगिंग को लेकर सीरियस हैं और भारत में मौके मिलने पर फिर से आने पर विचार कर सकती हैं।

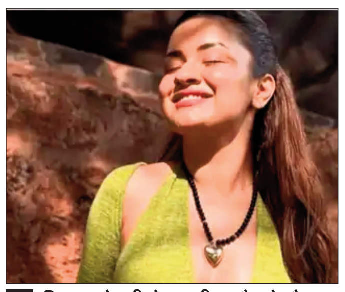

विराट कोहली ने अवनीत कौर के फैन पेज की इस पोस्ट को लाइक किया था।

अमेरिकी सेना ने 12 साल बाद सीरिया छोड़ा

जॉर्डन लौट रहे सैनिक, सरकार बोली- अब देश में एक ही प्रशासन चलेगा

दमिश्क, एजेंसी

करीब 12 साल की सैन्य मौजूदगी के बाद अमेरिका ने सीरिया से अपने सभी सैनिक निकाल लिए हैं और सैन्य ठिकाने खाली कर दिए हैं। अप्रैल 2026 में हसाका के कसराक एयरबेस से आखिरी अमेरिकी काफिला निकल गया। इसके बाद सीरियाई सरकार ने सभी बेस अपने कब्जे में ले लिए। सीरियाई विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह कदम देश को एकजुट करने और पूरे इलाके पर सरकार का नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में बड़ा मोड़ है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की कि करीब 2000 सैनिक जॉर्डन जा रहे है। अमेरिका ने हसाका, रुमैलान और देइर एज-जोर में मौजूद कम से कम सात बड़े ठिकाने खाली किए। आखिरी ठिकाना कसराक एयरबेस था। अब इस पर सीरियाई सेना का नियंत्रण है। सीरिया ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय एंटी-ISIL गठबंधन में शामिल होकर अपनी भूमिका बदली है। इससे अमेरिका के लिए सीरिया में सैन्य मौजूदगी का आधार कमजोर हुआ और अब वह क्षेत्र में अपनी रणनीति को नए सिरे से तय कर रहा है। SDF एक कुर्द-नेतृत्व वाला गठबंधन है, जिसे 2015 में बनाया गया था और इसमें कुर्द, अरब और दूसरे स्थानीय समूह शामिल हैं। सीरिया के गृहयुद्ध के दौरान जब सरकार कमजोर हुई, तब कुर्द लड़ाकों ने उत्तर-पूर्वी इलाकों पर कब्जा कर लिया। बाद में यही SDF के रूप में मजबूत ताकत बन गया। इससे पहले जनवरी 2025 में दमिश्क और SDF के बीच समझौता हुआ था। इसके तहत कुर्द लड़ाकों को सीरियाई सेना में शामिल किया जा रहा है। सीमा चौकियों और सरकारी संस्थानों का नियंत्रण दमिश्क को सौंपा जाएगा। तुर्किये का दबाव भी एक बड़ा फैक्टर रहा, क्योंकि तुर्किये SDF को आतंकवादी संगठन मानता है।। अमेरिका की मौजूदगी में तुर्किये खुलकर कार्रवाई नहीं कर पा रहा था। उसके हटते ही SDF को संभावित हमले का खतरा बढ़ गया। इसी दबाव और बदलते हालात ने SDF को सरकार के साथ समझौते की राह पर ला दिया अमेरिका के जाने के बाद सीरिया में सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सरकार पर है।

सीरियाई सरकार और एसडीएफ के बीच समझौता

इस बीच, सीरिया सरकार और SDF के बीच हुए समझौते के बाद कुर्द लड़ाकों को राष्ट्रीय सेना में शामिल किया जा रहा है। हसाका और क़ामिशली जैसे शहरों में सरकारी बल तैनात हो चुके हैं और सीमाई इलाकों पर भी दमिश्क का नियंत्रण बढ़ा है। इसी साल दोनों पक्षों के बीच झड़पें भी हुई थीं, जिसके बाद मार्च में एक नया समझौता

अमेरिका की वापसी से एसडीएफ पर असर

अमेरिका के हटने के बाद सबसे बड़ा असर सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेस (SDF) पर पड़ा है। पिछले एक दशक में उत्तर-पूर्वी सीरिया के बड़े हिस्से पर इसी संगठन का नियंत्रण रहा था। यह पूरी तरह अमेरिकी समर्थन पर टिका हुआ था। हालांकि SDF और सीरियाई सरकार के बीच रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने दमिश्क में SDF के कमांडर मजलूम अब्दी और राजनीतिक प्रमुख इलहम अहमद से मुलाकात की है। विदेश मंत्री असाद हसन अल-शैबानी भी मौजूद थे। यह बैठक SDF को राष्ट्रीय ढांचे में शामिल करने की प्रक्रिया का हिस्सा थी।

भारत बना दुनिया का भरोसेमंद निवेश ठिकाना

सेबी प्रमुख का दावा- वैश्विक अनिश्चितताओं में भी पूंजी बाजार मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पूंजी बाजार को स्थिर तथा भरोसेमंद निवेश के रूप में देखा जा रहा है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर एक स्थिर पूंजी केंद्र के रूप में उभर रहा है। देश का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 4.4 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। तकनीक, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश के अवसरों ने इस धारणा को और मजबूत किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने इक्विटी और ऋण बाजारों के जरिए कुल 154 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है। वर्ष 2025 में भारत प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर, जबकि जुटाई गई पूंजी के मामले में तीसरे स्थान पर रहा।

आरबीआई के मुताबिक, 2025-26 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो बाजार की मजबूती को और पुख्ता करता है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की परिसंपत्तियां करीब 780 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार का आकार भी बढ़कर करीब 650 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। वर्ष 2025 में भारत प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर, जबकि जुटाई गई पूंजी के मामले में तीसरे स्थान पर रहा।

होर्मुज रूट खुलने के बाद कच्चा तेल 13% सस्ता

एक बैरल का दाम 99.39 से घटकर 86 डॉलर हुआ, अमेरिकी शेयर बाजार 2% चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान के होर्मुज रूट को कॉमर्शियल जहाजों के लिए पूरी तरह खोलने के ऐलान के बाद क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) 13% सस्ता हुआ है। शुक्रवार, 17 अप्रैल को दाम करीब 13 डॉलर गिरकर 86 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। एक दिन पहले क्रूड ऑयल की कीमत 99.39 डॉलर प्रति बैरल थी। 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले कच्चा तेल 73 डॉलर प्रति बैरल था। जंग के दौरान 9 मार्च को दाम बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गए थे। तब से पेट्रोल-डीजल के रेट बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, तेल सस्ता होने से अब यह आशंकाएं भी खत्म हो गई हैं। कच्चे तेल की कीमत गिरने से ग्लोबल मार्केट में भी बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। अमेरिका का डाउ जोन्स करीब 1,000 अंक की तेजी के साथ 49,500 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। S&P 500 में 1.12% और नैस्डैक इंडेक्स में 1.04% की बढ़त देखने को मिल रही है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर जानकारी दी कि इजराइल और लेबनान के बीच युद्धविराम के मद्देनजर होर्मुज रूट को सभी व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है। मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर लिखा- 'ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को फिर कभी बंद न करने पर सहमति जताई है। अब इसका इस्तेमाल दुनिया के खिलाफ एक हथियार के तौर पर नहीं किया जाएगा।'

जियो का आईपीओ मई में आने की उम्मीद

मुंबई। रिलायंस जियो IPO के लिए ड्राफ्ट पेपर्स मई में फाइल कर सकती है। पहले रिलायंस का लक्ष्य मार्च के अंत तक पेपर्स फाइल करने का था। हालांकि, ईरान युद्ध के कारण बाजार में आई गिरावट की वजह से इस टाइमलाइन को आगे बढ़ा दिया गया। यह देश का सबसे बड़ा IPO हो सकता है। इन्वेस्टमेंट बैंक जेफरीज ने पिछले साल नवंबर में जियो की वैल्यूएशन करीब 180 बिलियन डॉलर यानी करीब 16 लाख करोड़ रुपए आंकी थी। हालांकि, अब कुछ बैंकर्स इसकी वैल्यूएशन 240 बिलियन डॉलर यानी करीब 22 लाख करोड़ रुपए तक बता रहे हैं। इस वैल्यूएशन के हिसाब से 2.5% हिस्सा बेचने पर भी जियो हुंडई मोटर इंडिया के 27,000 करोड़ के आईपीओ को पीछे छोड़ देगी। पिछले 6 सालों में रिलायंस जियो ने केकेआर (KKR), सिल्वर लेक और गूगल जैसे बड़े ग्लोबल इन्वेस्टर्स से फंड जुटाया है। माना जा रहा है कि इस आईपीओ के जरिए कई विदेशी निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचकर मुनाफा कमा सकते हैं और बाहर निकल सकते हैं।

तेजी : सोना 1,328 बढ़कर 1.52 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी 10 हजार महंगी हुई

इस हफ्ते सोने-चांदी में बढ़त रही

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई है, जिससे बाजार में हलचल तेज हो गई है। निवेशकों के बीच जहां एक ओर उत्साह देखने को मिल रहा है, वहीं आम ग्राहकों के लिए यह बढ़ती कीमतें चिंता का कारण बन रही हैं। इस हफ्ते सोने की कीमत में 1,328 रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही सोना 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 अप्रैल को इसकी कीमत 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक बाजार में अनिश्चितता, डॉलर की स्थिति और निवेशकों का सुरक्षित विकल्प की ओर झुकाव सोने की कीमतों को ऊपर ले जा रहा है। सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी भारी तेजी देखी गई है। चांदी की कीमत 2.40 लाख रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 2.50 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। इस दौरान चांदी में 10,006 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। साल 2026 की शुरुआत से ही सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो अब 1.52 लाख रुपए तक पहुंच गया है। वहीं चांदी 2.30 लाख रुपए प्रति किलो से बढ़कर 2.50 लाख रुपए प्रति किलो हो गई है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, इस समय सोने-चांदी में निवेश करने से पहले सतर्कता बरतना जरूरी है। कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव को देखते हुए लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर हो सकता है, लेकिन शॉर्ट टर्म में जोखिम भी बना हुआ है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

स्कूलों की टाइमिंग बदली, चलती बाइक में आग लगी, हाथी को बार-बार नहलाया जा रहा

यूपी में सीजन का सबसे गर्म दिन, पारा 45.4 डिग्री सेल्सियस

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- प्रदेश के दक्षिणी भाग में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस के पार करने के साथ शुष्क पछुआ हवाएं जारी रहने से लू जैसे हालात बनेंगे। महाराष्ट्र के आसपास बने प्रतिचक्रवात (एंटी-साइक्लोन) के असर से आगामी 2-3 दिनों के दौरान तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। पूर्वी यूपी में कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में भीषण गर्मी पड़ रही है। पारा 45C के पार पहुंच गया। शनिवार सुबह से ज्यादातर जिलों में तेज धूप है। गर्म हवाएं चल रही हैं। शुक्रवार को बांदा का तापमान 45.4C रिकॉर्ड किया गया। यह पूरे देश में सबसे ज्यादा था। पिछले साल अप्रैल के आखिरी हफ्ते यानी 27 अप्रैल को पारा 45C के पार पहुंचा था। यानी, इस बार 10 दिन पहले से ही गर्मी सख्त तेवर

दिखाने लगी है। इसके अलावा, झांसी समेत 17 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री या इसके पार दर्ज किया गया।

3 दिन लू का अलर्ट

- 19 अप्रैल: बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज और आस-पास के इलाके।
- 20 अप्रैल: बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर और आस-पास के इलाके।
- 21 अप्रैल: बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर और आस-पास के इलाके।

कब मानी जाती है हीटवेव?

मौसम विभाग के मुताबिक, हीटवेव तब मानी जाती है, जब मैदानों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा पहुंच जाए या फिर सामान्य तापमान से 4 से 6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया जाए। ऐसी स्थिति में लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है।

वाराणसी और प्रयागराज में गर्मी के चलते 8वीं तक के स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई है।

लखनऊ में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के दौरान लगी आग

अभ्यर्थियों और स्टाफ को बाहर निकाला, प्रिंसिपल का कमरा जला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के दौरान कॉलेज परिसर में अचानक आग लग गई। घटना विनयखंड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (GGIC) की है, जहां परीक्षा दे रहे अभ्यर्थियों और स्टाफ में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक निर्धारित थी और अभ्यर्थी परीक्षा कक्ष में बैठे हुए थे। इसी दौरान प्रिंसिपल ऑफिस में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते एक कमरे से धुआं उठने लगा और आग ने तेजी से फैलते हुए विकराल रूप ले लिया। स्थिति की

गंभीरता को देखते हुए कॉलेज प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की।

परीक्षा केंद्र पर मौजूद सभी अभ्यर्थियों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्रशासन की सतर्कता के चलते किसी भी तरह की भगदड़ या जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग की वजह से प्रिंसिपल कार्यालय को काफी नुकसान पहुंचा है। कमरे में रखे फर्नीचर और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। स्थिति सामान्य होने के बाद प्रशासन ने परीक्षा को दोबारा शुरू कराया, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

फास्ट न्यूज

गैस के लिए लाइन में खड़े लोग

कानपुर। कानपुर में रसोई गैस की कमी से लोग परेशान हो रहे हैं। शहर के कई इलाकों में गैस सिलेंडर के लिए लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। तेज धूप में घंटों इंतजार करने के बावजूद कई लोगों को गैस नहीं मिल पा रही है। प्रशासन की ओर से होम डिलीवरी का दावा किया जा रहा है, लेकिन लोगों का कहना है कि जमीनी स्तर पर व्यवस्था ठीक नहीं है।

इंस्पेक्टर ने 8 मिनट में 100 गालियां दीं

कौशांबी। कौशांबी में तैनात इंस्पेक्टर ने कवरेज कर रहे एक पत्रकार को 8 मिनट में 100 से ज्यादा गालियां दीं। उसने धमकाया- 'राइफल से गोली मार दूंगा। तुम्हारे मुंह पर यूरिन कर दूंगा। एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा लिखकर अंदर कर दूंगा।' इस्पेक्टर के आदेश पर चौकी इंचार्ज, पत्रकार को जबरिया थाने उठाकर ले गया। पीड़ित के अनुसार, थाने में उसके साथ मारपीट की गई।

थाने में बुधवार देर रात से शुक्रवार दोपहर तक बैठाकर रखा गया। मामला सराय अकिल थानाक्षेत्र के कनैली चौकी का है। आरोपी गालीबाज इंस्पेक्टर का नाम वीर प्रताप सिंह है। उसका एक ऑडियो भी सामने आया है। पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने जब एसपी से शिकायत की, तब जाकर पत्रकार को थाने से छोड़ा गया।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे का फर्जी अधिकारी अरेस्ट

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे विजिलेंस टीम ने शुक्रवार रात फर्जी रेलवे अधिकारी को पकड़ा। आरोपी संजय कुमार शिव गंगा एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रहा था। वह खुद को रेलवे का अधिकारी बताकर यात्रा कर रहा था। ट्रेन में कई यात्रियों को उसने हटकाया। इसी बीच किसी ने इसकी शिकायत कर दी। सूचना पर विजिलेंस विभाग की टीम अलर्ट हो गई।

राहुल-स्टालिन की तस्वीर को सड़कों पर कुचला

लखनऊ में हिंदूवादी नेताओं का प्रदर्शन, बोले-प्रियंका क्यों नहीं लड़ रहीं?

- विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने हाथों में पोस्टर लेकर नारी शक्ति जिंदाबाद के नारे लगाए।
- विश्व हिंदू रक्षा परिषद महिला आरक्षण बिल पास न होने के लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास न होने पर विरोध जताया और प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एमके स्टालिन समेत अन्य विपक्षी नेताओं की तस्वीर को पैरों से रौंदा। प्रदर्शनकारियों ने महिला विरोधी सोच वाली कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। इस दौरान पुलिस और

प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। स्थिति को देखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर हालात को नियंत्रित किया गया। विपक्ष इसमें बोलने वाला कौन होता है। महिलाओं को मिलने वाले 33% आरक्षण बिल को पास क्यों नहीं होने दिया। विपक्ष हमें इसका जवाब दे। विपक्ष का काम है हर चीज को नीचे गिराना। हम लोगों में इतनी खुशी की लहर थी। कल भी हमने यहां पर हवन किया था। मिठाई बांटने की तैयारी कर रहे थे मगर अब सब मायूसी में बदल गया। 33% आरक्षण से महिलाएं आगे बढ़ती हर क्षेत्र में वह तरक्की करती। प्रदर्शन कर रही एक महिला को जब पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका तो वह भड़क गई। नाराज महिला ने कहा, क्या हम लोग आतंकवादी हैं, जो हमें कहीं जाने नहीं दिया जा रहा है? हमें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना है और सपा व कांग्रेस से उनके कार्यालय जाकर सवाल पूछने हैं। प्रियंका गांधी कहती हैं, 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं', तो आज लड़कियों के लिए क्यों नहीं लड़ रही हैं? क्यों पीछे हट रही हैं?'

'सपा और कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा उजागर हो गया'

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि सपा और कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को सदन में गिराकर कांग्रेस सपा और विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकार को उनसे वंचित करने की कोशिश की। विश्व हिंदू रक्षा परिषद इसका कड़ा विरोध करती है । हम लोग अपने कार्यालय से निकलकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का दफ्तर जा रहे थे। लेकिन हमें पहले ही रोक लिया गया।

सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी नहीं चाहतीं कि महिलाएं उनके बराबर आएं, इसलिए महिला आरक्षण का विरोध किया जा रहा है। हम रुकने वाले नहीं हैं, इन पार्टियों का घेराव आज नहीं तो कल जरूर करेंगे।"

> प्रदर्शन कर रही सोफी शर्मा ने कहा कि- विपक्ष इस बिल का विरोध क्यों कर रहा है। हमें इसका कारण समझ में नहीं आ रहा है। जो महिला सशक्तिकरण . इक्वलिटी, सपोर्ट समर्थन और सम्मान की बात करते थे यह सब कहां गया हमें बताएं।

दिल्ली का मौसम बिगड़ा, 4 उड़ानें लखनऊ डायवर्ट

पुणे जा रही इंडिगो की फ्लाइट भी आधे रास्ते से लौटी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। दिल्ली में शुक्रवार रात अचानक मौसम खराब होने की वजह से लखनऊ एयरपोर्ट के लिए कई उड़ानें डायवर्ट कर दी गईं। इस दौरान लखनऊ से पुणे जा रही इंडिगो की एक उड़ान को भी आधे रास्ते से वापस लौटना पड़ा। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में विजिबिलिटी कम होने से फ्लाइट्स के संचालन में बाधा आई। हॉन्गकॉन्ग से दिल्ली जा रही फ्लाइट (RH-9457) रात 11:38 बजे लखनऊ में उतरी। करीब चार घंटे बाद मौसम सामान्य होने पर उसे दिल्ली रवाना किया गया। वहीं, वडोदरा से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI-2882 को भी रात 11:30 बजे लखनऊ डायवर्ट किया गया। इस फ्लाइट में 138 यात्री और 7 क्रू मेंबर सवार थे। यह फ्लाइट रात 12:43 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई। मुंबई से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट

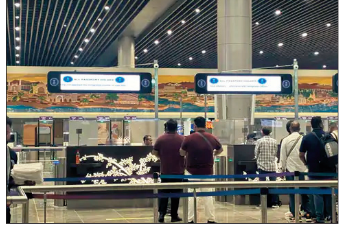

AI-2408 रात 11:39 बजे लखनऊ में उतरी। इसमें 164 यात्री और 4 क्रू मेंबर थे। इसे शनिवार सुबह 2:00 बजे दिल्ली भेजा गया। कोलकाता से दिल्ली जा रही आकाशा एयर की फ्लाइट क्यूपी-1804 भी रात 11:45 बजे लखनऊ डायवर्ट हुई और सुबह 1:30 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई। इसके अलावा, लखनऊ से रात 9:35 बजे पुणे के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E-118 को पुणे में रनवे ब्लॉक होने के कारण आधे रास्ते से ही लखनऊ लौटना पड़ा।

कार की टक्कर से बीडीसी सदस्य की मौत

लोगों ने ड्राइवर को दौड़ाकर पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ में कार की टक्कर से एक BDC सदस्य की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मारी। जिससे वह खून से लथपथ होकर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने कार ड्राइवर को दौड़ाकर पकड़ लिया और बीडीसी सदस्य को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। वहां उसने दम तोड़ दिया। घटना काकोरी थाना क्षेत्र के बेहटा में शनिवार को हुई। मृतक की पहचान बेहटा के नौमीलाल यादव के बेटे आशीष यादव (35) के रूप हुई। वह अपने दोस्त मनीष रावत के साथ गांव से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान गांव से निकलते ही यह दुर्घटना हो गई। इसमें आशीष को गंभीर चोटें आईं और उनका दोस्त मामूल चोटिल हुआ। हादसे के तुरंत बाद, मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की। उन्होंने कार ड्राइवर बृजेश पटेल (पुत्र

ओमकार नाथ पटेल, निवासी मवई पंडियाना) को पकड़ लिया और पुलिस को घटना की सूचना दी। गंभीर रूप से घायल आशीष यादव को तत्काल सरोजिनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पहुंचाया गया था। डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक आशीष यादव की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। उनकी दो बेटियां और एक बेटा है। आशीष एक प्राइवेट स्कूल में वैन चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे।

कलंकित करने वाली रात : अपर्णा यादव

लखनऊ। लखनऊ में भाजपा नेता और यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने शुक्रवार देर रात विधानसभा के सामने प्रदर्शन किया। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा बिल गिरने को लेकर आयोग के पदाधिकारियों और समर्थकों के साथ बीच सड़क पर सपा और कांग्रेस का झंडा जलाया, नारेबाजी की। अपर्णा ने कहा- सुबह हम लोग जश्न मनाने वाले थे। लेकिन, आज की रात काली साबित हुई। ये लोग दुर्योधन और दुःशासन जैसे हैं। इसलिए इनका झंडा जला रहे हैं। यह विरोध हम लोग इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि नारी शक्ति अधिनियम का बिल पास नहीं हुआ। अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। उन्होंने कहा- विपक्ष ने कहा है कि यह बिल दिखावटी है तो हम उन्हें जवाब देते हैं कि उन सभी लोगों का चेहरा भी दिखावटी है। सारे विपक्षी यही काम करते आए हैं। वो कभी नहीं चाहते कि आम घर की बेटी और बहू निकलकर आए और सदन तक पहुंचे। वह सिर्फ अपने परिवार को प्रमोट करना चाहते हैं। नारी शक्ति इन लोगों को कभी माफ नहीं करेगी।

हिंसा : वाराणसी के नहिया गांव में पत्थरबाजी में एएसपी-दरोगा घायल, 60 पर एफआईआर, गांव में सन्नाटा

भगवा हटाकर नीला झंडा लगाने पर बढ़ा बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के नेहिया गांव में भगवा और नीले झंडे लगाने के विवाद में जमकर बवाल हुआ। शुक्रवार को बवाल ने हिंसक रूप ले लिया। पत्थरबाजी में ACP विदुष सक्सेना, इंस्पेक्टर, दरोगा समेत 7 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने लाठी पटककर उपद्रवियों को खदेड़ा। गोसाईपुर चौकी इंचार्ज विपिन पांडेय की तहरीर पर 11 नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। अब आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। शनिवार सुबह भी पीएसी के साथ 5 थानों की पुलिस फोर्स तैनात है। नहिया की दलित बस्तियों में बूटों की धमक गूंज रही है। गांव में सन्नाटा पसरा है। गिरफ्तारी के डर से नहिया गांव में दलित बस्ती के ज्यादातर युवक घर छोड़कर भाग गए हैं। पुलिस ने गांव के गेट पर सीसीटीवी लगवा दिया है। जबकि 6 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वाराणसी मुख्यालय से 30km दूर

बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग पर नहिया गांव में प्रवेश करने के लिए गेट बनाया गया है। प्रवेश द्वार पर 'बाबा बटुक भैरव धाम' लिखा हुआ है। वहीं गांव में हाईवे से करीब आधा किलोमीटर दूरी पर संत रविदास मंदिर है। जबकि हाईवे से करीब करीब 800 मीटर दूरी पर बाबा बटुक भैरव का मंदिर है। हिंदू संगठनों का दावा है कि गांव के प्रवेश गेट पर जब से निर्माण हुआ है तब से रामनवमी पर भगवा झंडा लगाया जाता रहा है। इस साल भी झंडा लगा था लेकिन 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के जुलूस के दौरान किसी ने उसे हटाकर वहां डॉ. भीमराव अंबेडकर का झंडा लगा दिया। आरोप है कि 15 अप्रैल को इसकी सूचना मिलने के बाद शाम या रात के समय हिंदू धर्म संगठन के लोगों ने उस झंडे को तोड़कर हटा दिया। अगले दिन यानी 16 अप्रैल को इस मामले की जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में दलित समुदाय के लोग पहुंच गए।

> गांव के लोगों का कहना है कि यह झगड़ा असल में गांव वालों का था ही नहीं। इसे बाहरी लोगों और सोशल मीडिया की पोस्ट ने बड़ा बना दिया। हिंदू संगठनों और कुछ पार्टी विशेष से जुड़े लोगों ने इंटरनेट पर वीडियो डालकर भीड़ जुटाना शुरू कर दिया। इसी के चलते शुक्रवार को काफी संख्या में लोग वहां पहुंच गए।

11 नामजद सहित 60 पर मुकदमा दर्ज

औरा गांव निवासी अजीत कुमार, सिंधौरा निवासी प्रदीप कुमार, भोपापुर निवासी राजकुमार, हनुमान, नेहिया निवासी निखिलकुमार , साजन, राजन, संजीत, सूखा, सगीना और अमरजीत शामिल हैं। वहीं 50 अज्ञात महिला एवं पुरुष के ऊपर हत्या का प्रयास, सरकारी कार्य में बाधा और दंगा करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

होर्मुज से गुजर...

अमेरिका ने रिजर्व से 2.6 करोड़ बैरल तेल निकालाः अमेरिका ने अपने इमरजेंसी ऑयल स्टोरेज से करीब 2.6 करोड़ बैरल तेल निकालकर 9 कंपनियों को दिया है। अमेरिकी नाकेबंदी जारीः ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ समझौते में कोई अड़चन नहीं बची है, हालांकि डील पूरी होने तक नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी। बार्सिलोना में आयोजित प्रोग्रेसिव लीडर्स समिट में बोलते हुए लूला ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों से मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष को रोकने के लिए अपना रुख बदलने की अपील की। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर धमकी भरे संदेश देना वैश्विक शांति के लिए ठीक नहीं है। लूला ने कहा, "हम हर सुबह उठकर और हर रात सोने से पहले किसी राष्ट्रपति के ट्वीट से दुनिया को धमकाते हुए नहीं देख सकते।" लेबनान में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन पर तैनात फ्रांसीसी सैनिकों पर हुए हमले में एक जवान की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस हमले के पीछे हिजबुल्लाह का हाथ होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सभी संकेत इसी ओर इशारा करते हैं और लेबनानी अधिकारियों से हमलावरों को जल्द गिरफ्तार करने की अपील की है। दूसरी ओर, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और UN शांति बल के फ्रांसीसी दल पर हुए हमले की तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। इजराइल ने सीजफायर के बावजूद लेबनान में हमले जारी रखने की बात स्वीकार की है। इजराइली सेना ने कहा है कि उसके बलों ने दक्षिणी लेबनान में कई जगहों पर आर्टिलरी और एयर स्ट्राइक किए हैं। सेना के मुताबिक, यह कार्रवाई उन लड़ाकों के जवाब में की गई, जो उन इलाकों के करीब आ रहे थे जहां इजराइली सैनिक तैनात हैं। इजराइल ने इसे "तत्काल खतरा" बताते हुए कहा कि आत्मरक्षा में उठाए गए ऐसे कदम सीजफायर के दायरे में नहीं आते।

राहुल पर...

उन्होंने राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता का आरोप लगाते हुए विदेशी अधिनियम, पासपोर्ट अधिनियम आदि में केस दर्ज होने की मांग की है। कोर्ट का फैसला आने के बाद विग्नेश ने कहा- राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का फैसला वापस लेने की शिकायत हम CJI से करेंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने शुक्रवार को राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दिया था। जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने कहा था- FIR दर्ज करके मामले को CBI को ट्रांसफर किया जाए। हालांकि, इससे पहले 28 जनवरी, 2026 को MP-MLA कोर्ट ने विग्नेश शिशिर की याचिका को खारिज कर दिया था। सुनवाई के दौरान जज सुभाष विद्यार्थी ने गृह मंत्रालय के फॉरेनर्स डिवीजन को निर्देश दिए थे कि मामले से संबंधित सभी जरूरी दस्तावेज पेश करें। मंत्रालय ने केस से जुड़ी सभी फाइलें हाईकोर्ट में पेश की थीं। विग्नेश शिशिर का दावा है कि उन्होंने कोर्ट में दस्तावेज और साक्ष्य पेश किए। इनसे संकेत मिलता है कि राहुल गांधी यूनाइटेड किंगडम में मतदाता रहे हैं। वहां चुनावों में भागीदारी से जुड़े रिकॉर्ड मौजूद हैं।

केंद्रीय कर्मियों...

इसलिए महंगाई भत्ता/महंगाई राहत का बकाया दिया जाना संभव नहीं है। वित्त राज्य मंत्री ने कहा था कि मौजूदा समय में इन भत्तों का 'एरियर' जारी नहीं किया जा सकता। कोरोनाकाल में केंद्र सरकार ने 18 माह का डीए/डीआर रोककर 34,402 करोड़ रुपये बचा लिए थे। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया था कि केन्द्र सरकार के कर्मचारियों/पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ता (डीए)/महंगाई राहत (डीआर) की दिनांक 01.01.2020, 01.07.2020 और 01.01.2021 से देय तीन किस्तों को फ्रीज करने का निर्णय कोविड-19 के दौरान लिया गया था। इसका कारण आर्थिक व्यवधान था। उसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया था। तब इसका मकसद, सरकारी वित्त पर दबाव को कम करना था।

ममता दीदी...

उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती मां काली, मां दुर्गा और मां सिद्धेश्वरी की धरती है। हमें इसी रूप में इसे स्थापित करना है। सीएम योगी ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि बंगाल की शान को वापस लाने के लिए डबल इंजन सरकार लाइए। डबल इंजन की सरकार क्या कर सकती है, यह आप यूपी में देख सकते हैं। यूपी में 2017 के पहले रामभक्तों पर गोली चलती थी। डंडे चलते थे और अब दुनिया का सबसे बड़ा राम मंदिर अयोध्या में बनाकर के तैयार हो गया है।

विपक्ष ने महिला...

उन्हें सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल खो देंगे। बंगाल के उलुबेरिया में चुनावी रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि BJP का पतन कल से शुरू हो गया है। हम पहले से महिला आरक्षण की वकालत करते आ रहे हैं। यह महिलाओं के आरक्षण का बिल नहीं था, बल्कि इसका संबंध परिसीमन से था। राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पोन्नेरी में कहा कि तमिल भाषा और संस्कृति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता और BJP पर आरोप लगाया कि वह इसे कमजोर करने की कोशिश कर रही है, जिसे रोका जाएगा। जब भी मैं तमिलनाडु के लोगों से मिलता हूं, तो वे मुझे बताते हैं।

यूपी में जज को मिली जान से मारने की धमकी

चिट्ठी में लिखा- हमारी कौम के लोगों को सजा सुनाई

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में जज आदित्य चतुर्वेदी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पत्र, डाक के जरिए भेजा गया। इसमें लिखा है- जिला कोर्ट लखनऊ में आदित्य चतुर्वेदी ने कई मुकदमों में हमारी कौम के बेगुनाह लोगों को सजा सुनाकर घर तबाह कर दिए। हम सभी लोग कई दिनों से उनकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। बस मौके की तलाश हैं। 30 अप्रैल तक इनको कोर्ट परिसर में बम से उड़ा देंगे। जज अदित्य चतुर्वेदी, झांसी में एससी-एसटी एक्ट कोर्ट के विशेष न्यायाधीश है। उन्हें 16 अप्रैल को धमकी भरा पत्र मिला था। भेजने वाले का नाम मोहम्मद सलीम मंसूरी लिखा था। 17 अप्रैल को जिला कोर्ट के अधिकारी ने एसपी सिटी को पत्र लिखकर जानकारी दी। पुलिस ने कोर्ट, जज और उनके आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने 17 अप्रैल की रात को मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

आदित्य चतुर्वेदी, जज

> सहायक पुलिस अधीक्षक अरीबा नोमान ने बताया- किसी ने डाक भेजकर जज को डराने व धमकाने की कोशिश की है। यह डाक न्यायालय परिसर स्थित डाकघर से प्राप्त हुई है। प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि किसी शरारती तत्व ने ये काम किया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676